Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ नाग पंचमी पूजाविधि ॥

॥ नागदेवताभ्यो नमः ॥

Full Disclaimer

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ पूजा की तैयारी और सामग्री ॥

सुबह स्नान करके साफ कपड़े पहनें और पूजा स्थान स्वच्छ करें। नाग पंचमी की स्थानीय तिथि व समय पंचांग से देखें। घर में नागदेवता का चित्र या मिट्टी, पत्थर अथवा धातु की प्रतिमा रखें; जीवित साँप की आवश्यकता नहीं है।

सामान्य पूजा सामग्री

एक साफ चौकी, नागदेवता का चित्र या प्रतीक, जलपात्र, फूल, अक्षत, हल्दी या चंदन, धूप, दीप, फल और घर की रीति का सात्त्विक नैवेद्य रखें। जहाँ परंपरा हो, वहाँ दूध, खीर या लावा भी केवल प्रतीक के सामने अर्पित करें।

संकल्प

चौकी पर प्रतीक स्थापित कर गणेशजी और भगवान शिव का स्मरण करें। हाथ में जल और फूल लेकर परिवार के कल्याण, जीवों के प्रति दया तथा स्वयं के विवेक के लिए सरल संकल्प लें।

कुछ स्थानों पर दीवार पर नाग का चित्र बनाकर, कहीं मंदिर में जाकर, और कहीं घर की चौकी पर पूजा होती है। परिवार की परंपरा के अनुरूप सुरक्षित और सरल रूप चुनें।

Harghar Panditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS AT YOUR DOOR"

॥ नागदेवता पूजन का क्रम ॥

१. आवाहन और अर्पण

नागदेवता को प्रणाम करें। चित्र या प्रतिमा के सामने थोड़ा जल प्रतीकात्मक रूप से अर्पित करें; कागज के चित्र पर जल न डालें। फिर चंदन या हल्दी, अक्षत और फूल चढ़ाएँ। अपनी परंपरा के अनुसार नागों के नाम ले सकते हैं।

२. दीप, नैवेद्य और कथा

धूप-दीप दिखाएँ और फल, खीर या अन्य तैयार प्रसाद सामने रखें। नाग पंचमी की प्रचलित कथा पढ़ें या सुनें। सभी जीवों के कल्याण और परिवार की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें।

३. आरती और प्रसाद

आरती के बाद प्रसाद परिवार में बाँटें। व्रत रखने वाले भोजन या पारण का समय अपने घर की रीति और स्वास्थ्य के अनुसार तय करें। निर्जल रहना पूजा की सार्वभौमिक शर्त नहीं है।

जीवित साँप को दूध न पिलाएँ, पकड़ें या उसके बिल में कुछ न डालें। साँप दिखे तो दूरी रखें; सर्पदंश पर पूजा या घरेलू उपाय में समय न गँवाकर तुरंत आपात चिकित्सा प्राप्त करें।

॥ नागदेवताभ्यो नमः ॥